HINDUSTAN PAGE 7

एलयू के पूर्व छात्र ने जेएनयू में स्थापित किया था समाजशास्त्र विभाग

शताब्दी वर्ष

600

से भी अधिक समाजशास्त्री देश विदेश से शिरकत करेंगे समारोह में

ये पूर्व छात्र बने नौकरशाह

- अनु गर्ग (आईएएस)
- डॉ. शिल्पी अग्रवाल (आईआरएस)
- डॉ. प्रशांत शुक्ला (आईआरएस)
- डॉ. आनंद भास्कर (आईआरएस)
- मनप्रीत सिंह दुग्गल (प्रशासनिक सेवा)

ये पूर्व छात्र संवार रहे भविष्य, चमका रहे संस्थान का नाम

- प्रो. टीएन मदान (ऑस्ट्रेलिया से पीएचडी करने के बाद दिल्ली में प्रोफेसर रहे)
- प्रो. इम्तियाज अहमद (जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी में रहे)
- प्रो. आभा अवस्थी (पूर्व विभागाध्यक्ष, एलयू)
- प्रो. विवेक कुमार (जेएनयू में समाजशास्त्र के अध्यक्ष)
- प्रो. एमजी सिंह (जेएनयू में साइंस पॉलिसी सेंटर में हेड)

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग का भारत के सभी विश्वविद्यालयों में अलग इतिहास है। यहां से न सिर्फ ऐसे छात्र निकले जिन्होंने समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त की बल्कि अलग-अलग विश्वविद्यालयों में भी रोशनी बिखेरी।

इसमें पूर्व छात्र प्रो. योगेंद्र सिंह और प्रो. बीआर चौहान का नाम बड़े गर्व के साथ लिया जाता है। जहां प्रो. योगेंद्र ने जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी में समाजशास्त्र विभाग को स्थापित किया। वहीं प्रो. चौहान ने मेरठ विवि में समाजशास्त्र को नयी ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इसके अलावा भी विभाग से बीते 100 वर्षों में सैकड़ों विद्यार्थियों ने यूपीएससी, यूपीपीसीएस, नेट-जेआरएफ सहित कई अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल की है। वहीं विभाग को आज इस मुकाम तक लाने में प्रो. राधा कमल मुखर्जी, प्रो. डीपी मुखर्जी, प्रो. डीएन मजूमदार, प्रो. एके सरन, प्रो. एससी वर्मा, प्रो. एसपी नागेंद्र, प्रो. बीआर चौहान, प्रो. केएन शर्मा सहित कई अन्य शिक्षकों का अहम किरदार माना जाता है।

शिरकत करेंगे 600 समाजशास्त्री

विभाग के शताब्दी वर्ष समारोह के मौके पर 28 से तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। देश-विदेश से छह सौ समाजशास्त्री भाग लेंगे और संबंधित विषयों पर चर्चा करेंगे।

समाजशास्त्र विभाग के अंतर्गत डॉ. राम मनोहर लोहिया शोध पीठ के द्वारा लखनऊ के माल विकास खंड को गोद लिया जा रहा है। शोध पीठ इस क्षेत्र के सामाजिक व आर्थिक स्थिति का अध्ययन कर क्षेत्रीय विधायक व प्रतिनिधि को जानकारी देगा। पिछड़े क्षेत्रों के विकास का सूचकांक बनेगा। प्रो. डी. आर. साहू, विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग

एलयू: बीकॉम पांचवें सेमेस्टर के नतीजे जारी

लखनऊ। एलयू ने मार्च माह में समाप्त हुई स्नातक विषम सेमेस्टर दिसम्बर 2022 के तहत नियमित, बैक पेपर, इम्प्रूवमेंट, एग्जेम्टेड की परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिया गया है। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि विद्यार्थी विश्वविद्यालय की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर अपना-अपना रिजल्ट देख सकते हैं। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिए छात्र और छात्राएं एलयू की वेबसाइट देखें और समस्या का समाधान करें।

AMRIT VICHAR PAGE 5

तैयारी बैठक करते कुलपति प्रो. आलोक राय, साथ में अन्य। अमृत विचार

विज्ञान और समाज को जोड़ने की विशेष आवश्यकता : प्रो. राय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

बैठक

- **लखनऊ विश्वविद्यालय में 109वीं विज्ञान कांग्रेस की तैयारियां जारी**

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय की मेजबानी में आयोजित होने जा रही 109वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस को लेकर तैयारियां जारी हैं। बुधवार को इस संबंध में आयोजित बैठक के दौरान के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय में होने वाली विज्ञान कांग्रेस को गंभीरता से लेना चाहिए।

यह केवल आम जनता के लिए वैज्ञानिक विश्लेषणात्मक कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव को बनाने और नष्ट करने से ही किया जा सकता है। इस विज्ञान कांग्रेस के माध्यम से विज्ञान और समाज को जोड़ने की विशेष आवश्यकता है और विश्वविद्यालय की आयोजन समिति कार्यक्रम को सफल बनाने मे कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

बैठक के दौरान राष्ट्र संत तुकोडजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के प्रो. राजेश सिंह ने भी अपने अनुभवों को साझा किया।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में न केवल भारतीय विज्ञान कांग्रेस के आयोजन में कार्यप्रणाली के बेहतर बनाने पर जोर दिया गया बल्कि भाग लेने वाले वैज्ञानिक समुदाय से आगे जाकर, इस आयोजन से समाज को जोड़कर विज्ञान के प्रभाव को बढ़ाने की भी बात की गई। पूरी आयोजन समिति विज्ञान को समाज के साथ जोड़ने के लिए उत्साहित दिखी और कई रचनात्मक विचार सामने आए।

लखनऊ विश्वविद्यालय में एलुमनी कार्यशाला शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में यूजीसी-नेट के उम्मीदवारों के लिए 'वंडर्स : होल्डिंग हैंड्स बाय एलुमनी' पर एक सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को उचित मार्गदर्शन देना, एक मंच प्रदान करना और यह सुनिश्चित करना है कि वे उन सभी पूर्व छात्रों के अनुभवों से लाभान्वित हों, जिन्होंने इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने में सफलता प्राप्त की है। यूजीसी-नेट परीक्षा, जो राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित की जाती है, सहायक प्रोफेसर के साथ-साथ जूनियर रिसर्च फेलोशिप और भारतीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर के लिए भारतीय नागरिकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए एक परीक्षा है।

JAGRAN CITY PAGE III

एशिया बुक रिकार्ड में थर्माकोल की विंटेज कार

जासं, लखनऊ : इंडिया बुक आफ रिकार्ड बनाने के बाद अब लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय में मास्टर आफ विजुअल आर्ट (एमवीए) मूर्तिकला के छात्र शिवम सिंह द्वारा बनाई गई 200 किलो थर्माकोल की विंटेज कार बुगाटी टाइप 41 का माडल एशिया बुक आफ रिकार्ड में चयनित हो गया है। मंगलवार को एशिया बुक आफ रिकार्ड की ओर से इसका सर्टिफिकेट, मेडल व बुक शिवम को प्राप्त हो गई। इस उपलब्धि के लिए शिक्षकों से शिवम को बधाई दी।

लवि के कला एवं शिल्प महाविद्यालय में एमवीए के छात्र शिवम सिंह की ओर से बनाई गई 200 किलो थर्माकोल की विंटेज कार बुगाटी टाइप 41 का माडल एशिया बुक आफ रिकार्ड में चयनित हो गया है • सौजन्य से स्वयं

मूर्तिकला के छात्र शिवम सिंह ने बीते 25 नवंबर को हास्टल के कमरे में ही थर्माकोल से विंटेज कार का माडल बनाना शुरू किया था, जिसे बनाने में 28 दिन लगे थे। 200 किलो थर्माकोल से 20 फिट लंबी, सात फिट चौड़ी और छह फिट ऊंची विंटेज कार बुगाटी टाइप 41 को सात जनवरी को इंडिया बुक आफ रिकार्ड में लारजेस्ट थर्माकोल माडल की विंटेज कार के रूप में शामिल किया गया था। शिवम ने बताया कि एशिया बुक आफ रिकार्ड के लिए मार्च में आवेदन किया था। अब उसमें भी यह कार का माडल चयनित हो गया है। इसका प्रमाण पत्र, मेडल भी आ गया है।

सेमेस्टर का परिणाम जारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बुधवार को दिसंबर 2022 के बीकाम 5 वें सेमेस्टर नियमित, बैक पेपर, इम्प्रूवमेंट व इग्जेम्पटेड परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया। छात्र-छात्राएं lkouniv.ac.in पर परिणाम देख सकते हैं। (जासं)

अर्थशास्त्र पर कार्यक्रम

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग और सेंटर फार सोशल एंड बिहेवियर चेंज (अशोक यूनिवर्सिटी) के सह सहयोग से 'प्रायोगिक अर्थशास्त्र' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में अशोक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर नार्गेस हाजीमोलदारविश ने व्यवहारिक और प्रायोगिक अर्थशास्त्र पर विस्तार से बात की। कार्यक्रम में डा. निमिषा कपूर व अन्य शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। (जासं)

विज्ञान कांग्रेस : पूर्व स्थानीय सचिव ने साझा किए अनुभव

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय जनवरी में 109वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन का आयोजन करेगा। इसकी आयोजन समिति ने बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में बैठक की। इसमें राष्ट्र संत तुकोडजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के स्थानीय सचिव रहे प्रो. राजेश सिंह उपस्थित थे। उन्होंने विज्ञान कांग्रेस को लेकर अपने अनुभव के साथ आयोजन के लिए प्रशासनिक और वित्तीय व्यवस्थाओं को भी साझा किया बैठक में भारतीय विज्ञान कांग्रेस के आयोजन में कार्यप्रणाली को बेहतर और सुचारु किए जाने पर जोर दिया गया। साथ ही आयोजन से समाज को जोड़कर विज्ञान के प्रभाव को बढ़ाने की भी बात की गई। पूरी आयोजन

लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन हाल में भारतीय विज्ञान कांग्रेस की तैयारियों को लेकर कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने आयोजन समिति के साथ बैठक की• सौ. लवि

समिति विज्ञान को समाज के साथ जोड़ने के लिए उत्साहित दिखी और कई रचनात्मक विचार सामने आए। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि विज्ञान कांग्रेस को सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर वैश्विक परिप्रेक्ष्य के विषय को गंभीरता से लेना चाहिए। इस विज्ञान कांग्रेस के माध्यम से विज्ञान और समाज को जोड़ने की विशेष आवश्यकता है। विश्वविद्यालय की आयोजन समिति कार्यक्रम को सफल बनाने मे कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

लवि : तीन कंपनियों में प्लेसमेंट के लिए आवेदन कल तक

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने स्नातक व परास्नातक के छात्र-छात्राओं को कैंपस प्लेसमेंट के लिए मौका दिया है। इसके तहत विद्यार्थी प्लैनेटस्पार्क, कोलैबरा और डीआरएस आइटी कंसल्टेंसी लिमिटेड कंपनियों में 28 अप्रैल तक गूगल फार्म के माध्यम से आवेदन सकते हैं।

प्लैनेटस्पार्क में बिजनेस डेवलपमेंट काउंसलर पद पर चयनित छात्र-छात्राओं को 6.4 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज मिलेगा। इसी तरह कोलैबरा में टैलेंट स्पेशलिस्ट पद पर 30,000 प्रतिमाह का पैकेज मिलेगा। इसके अलावा डीआरएस आइटी कंसल्टेंसी लिमिटेड में बिजनेस डेवलपमेंट एक्जीक्यूटिव और मैनेजमेंट ट्रेनी पद पर बीटेक, बीबीए एवं एमबीए के छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। चयनित छात्र-छात्रा को 5.4 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज मिलेगा।

THE PIONEER PAGE 3

TEAM SATYAM MENTORS LU STUDENTS

Team Satyam mentored IMS students for interview and group discussions. The Institute of Management Sciences of Lucknow University organised a one-day special training by Team Satyam for mentoring on the topic 'How to prepare for GD and PI' on Tuesday. The programme was organised in the mentorship of Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai and officer of special duty Prof Vinita Kacher. In the programme, expert Rahul Sharma, alumnus IIM, Ahmedabad gave tips and shared industrial experience with students of the IMS. Satyam Team mentor Arvind Khanduri, MDI Gurgaon, trained students to face personal interviews and group discussions in industries.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि: बीकॉम पांचवें सेमेस्टर के परिणाम जारी

लखनऊ। लविवि ने बुधवार को विश्वविद्यालय और सहयुक्त महाविद्यालयों के बीकॉम पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा के परिणाम जारी कर दिए। विद्यार्थी वेबसाइट www.lko.ac.in पर रिजल्ट देख सकते हैं। (संवाद)

i-NEXT PAGE 4

विज्ञान कांग्रेस : पूर्व सचिव ने साझा किए अनुभव

आयोजन के लिए प्रशासनिक और वित्तीय व्यवस्थाओं को भी विस्तार से बताया

LUCKNOW (26 April) : एलयू जनवरी में 109वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन का आयोजन करेगा. इसकी आयोजन समिति ने बुधवार को कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में बैठक की. इसमें राष्ट्र संत तुकोडजी महाराज नागपुर विवि के प्रोफेसर एवं 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के स्थानीय सचिव रहे प्रो. राजेश सिंह उपस्थित थे. उन्होंने विज्ञान कांग्रेस को लेकर अपने अनुभव के साथ आयोजन के लिए प्रशासनिक व्यवस्थाओं को भी साझा किया.

समाज को विज्ञान से जोड़ा जाए

बैठक में भारतीय विज्ञान कांग्रेस के आयोजन में कार्यप्रणाली को बेहतर और सुचारु किए जाने पर जोर दिया गया. साथ ही आयोजन से समाज को जोड़कर विज्ञान के प्रभाव को बढ़ाने की भी बात की गई. पूरी आयोजन समिति विज्ञान को समाज के साथ जोड़ने के लिए उत्साहित दिखी और कई रचनात्मक विचार सामने आए. कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि विज्ञान कांग्रेस को सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर वैश्विक परिप्रेक्ष्य के विषय को गंभीरता से लेना चाहिए. इस विज्ञान कांग्रेस के माध्यम से विज्ञान और समाज को जोड़ने की विशेष आवश्यकता है.

आईएमएस के छात्रों को प्रशिक्षण

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विज्ञान संस्थान (आईएमएस) में बुधवार को 'जीडी और पीआई की तैयारी को लेकर टीम सत्यम ने विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया. विशेषज्ञ राहुल शर्मा ने छात्रों को टिप्स देने के साथ अपना औद्योगिक अनुभव साझा किया. छात्रों को व्यक्तिगत साक्षात्कार और समूह चर्चा की आवश्यकता का सामना करने के लिए प्रशिक्षित किया. इस अवसर पर ओएसडी प्रोफेसर विनीता कावर व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे.

कार्यक्रम के पोस्टर का अनावरण

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की एडमिनिस्ट्रेटिव कमेटी द्वारा 28 अप्रैल को द्वितीय परिसर के अभियांत्रिकी संकाय के विश्वकर्मा सभागार में 'कान्फ्रेंस सह पैनल डिस्कशन' का आयोजन किया जाएगा. बुधवार को कार्यक्रम के पोस्टर का अनावरण विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर बंशीधर सिंह ने किया. स्टूडेंट डीन इंद्र दमन तिवारी ने बताया कि इस पैनल डिस्कशन में महिला एवं बाल सुरक्षा विंग से आईपीएस रुचिता चौधरी, लवि की 'मिशन शक्ति' प्रमुख मधुरिमा लाल एवं महिला अधिकारी को समर्पित विभिन्न एनजीओ एवं संगठनों की प्रमुख उपस्थित रहेंगी.

एलयू : प्लेसमेंट के लिए आवेदन कल तक

लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने स्नातक व परास्नातक के छात्र-छात्राओं को कैंपस प्लेसमेंट के लिए मौका दिया है. इसके तहत विद्यार्थी प्लैनेटस्पार्क, कोलैबरा और डीआरएस आइटी कंसल्टेंसी लिमिटेड कंपनियों में 28 अप्रैल तक गूगल फार्म के माध्यम से आवेदन सकते हैं.प्लैनेटस्पार्क में बिजनेस डेवलपमेंट काउंसलर पद पर चयनित छात्र-छात्राओं को 6.4 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज मिलेगा. इसी तरह कोलैबरा में टैलेंट स्पेशलिस्ट पद पर 30,000 प्रतिमाह का पैकेज मिलेगा. इसके अलावा डीआरएस आइटी कंसल्टेंसी लिमिटेड में बिजनेस डेवलपमेंट एक्जीक्यूटिव और मैनेजमेंट ट्रेनी पद पर बीटेक, बीबीए एवं एमबीए के छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकते हैं. चयनित छात्र-छात्रा को 5.4 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज मिलेगा. तीनों कंपनियों में आवेदन करने की अंतिम तिथि 28 अप्रैल है.

VoL PAGE 4

भारतीय विज्ञान कांग्रेस से समाज को जोड़ने पर हुआ मंथन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति की अध्यक्षता में 109वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस की आयोजन समिति ने बुधवार को आयोजन के सम्बन्ध मे महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक का आयोजन राष्ट्र संत तुकोडजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के प्रो. राजेश सिंह, जो 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के स्थानीय

सचिव थे, के साथ बातचीत करने और उनके अनुभवों से सीखने के लिए किया गया था। प्रो. सिंह ने इस मेगा विज्ञान मेले के आयोजन के लिए प्रशासनिक और वित्तीय व्यवस्थाओं को साझा किया। इस बैठक में न केवल भारतीय विज्ञान कांग्रेस के आयोजन मे कार्यप्रणाली के बेहतर और सुचारु किये जाने पर जोर दिया गया बल्कि भाग लेने वाले वैज्ञानिक समुदाय से आगे जाकर, इस आयोजन से समाज को जोड़कर विज्ञान के प्रभाव को बढ़ाने की भी बात की गयी। पूरी आयोजन समिति विज्ञान को समाज के साथ जोड़ने के लिए उत्साहित दिखी और कई रचनात्मक विचार सामने आये। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय में होने वाली विज्ञान कांग्रेस को सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर वैश्विक परिप्रेक्ष्य के विषय को गंभीरता से लेना चाहिए। यह केवल आम जनता के लिए वैज्ञानिक विश्लेषणात्मक कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव को बनाने और नष्ट करने से ही किया जा सकता है। इस विज्ञान कांग्रेस के माध्यम से विज्ञान और समाज को जोड़ने की विशेष आवश्यकता है और विश्वविद्यालय की आयोजन समिति कार्यक्रम को सफल बनाने मे कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

छात्रों ने साक्षात्कार प्रशिक्षण में लिया भाग

लखनऊ। लविवि के प्रबंधन विज्ञान संस्थान ने बुधवार को जीडी और पीआई की तैयारी कैसे करें विषय पर टीम सत्यम द्वारा एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया। पूर्व छात्र आईआईएम, अहमदाबाद एवं विशेषज्ञ राहुल शर्मा ने आईएमएस के छात्रों को टिप्स और अपना औद्योगिक अनुभव साझा किया। सत्यम टीम के संरक्षक अरविंद खंडूरी, एमडी आई गुड़गांव ने छात्रों को व्यक्तिगत साक्षात्कार और समूह चर्चा की आवश्यकता का सामना करने के लिए प्रशिक्षित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रिया ने किया।